बुन्देलखण्ड डेयरी विकास परियोजना
सफलता की कहानी
श्री राम सुहावन S/o श्री बृज गोपाल, बरियारपुर कुर्मियान (पन्ना)

बुन्देलखण्ड क्षेत्र प्रारंभ से ही अत्यंत पिछड़ा क्षेत्र रहा है। क्षेत्र में कृषि, उद्योग जैसी प्राथमिक विकासात्मक गतिविधियों का अभाव रहा है जिस कारण क्षेत्र विशेष के रहवासी प्रगतिशील नहीं हो सके। बुन्देलखण्ड का पन्ना जिला भी आर्थिक दृष्टि से रोजगार के साधन उपलब्ध न होने के कारण अत्यंत पिछडा क्षेत्र है, अतः इस क्षेत्र में आर्थिक विकास हेतु शासन द्वारा अनेक योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। बुन्देलखण्ड विशेष पैकेज अंतर्गत सहकारिता आधारित डेयरी परियोजना क्रियान्वित की जा रही है ताकि क्षेत्र के रहवासियों को डेयरी गतिविधियों से जीविका उपार्जन का साधन मिल सके। योजना के क्रियान्वयन से ग्रामवासियों को गॉव में ही उनके दूध का यथोचित मूल्य प्राप्त हो रहा है, जिससे क्षेत्र के दूध उत्पादकों में दूध व्यवसाय के प्रति आकर्षण बढा है।

अजयगढ़ में जुलाई 2011 में योजना प्रारंभ होने से क्षेत्र के ग्राम बरियारपुर कुर्मियान में ग्राम के श्री राम सुहावन S/o श्री बृज गोपाल जिनके पास पूर्व में मात्र 1 दुधारू पशु ही था एवं वे 2 लीटर दूध प्रति दिन ही प्राप्त कर पाते थे, के पास वर्तमान में 4 दुधारू पशु है एवं 17 लीटर प्रति दिन दूध विक्रय कर रहे है। पूर्व में जहॉ इनका उत्पादित दूध प्राइवेट व्यापारी द्वारा रू 15 प्रति लीटर क्रय किया जाता था, वर्तमान में इन्हें दुग्ध समिति से रू 26 प्रति लीटर दूध का मूल्य प्राप्त हो रहा है तथा प्रतिदिन रू 367 की आय इन्हें प्राप्त हो रही है। श्री रामसुहावन द्वारा अब तक (जनवरी 2013 तक) रू 130400 का दूध विक्रय किया गया है। दूध विक्रय से प्राप्त आय के फलस्वरूप श्री रामसुहावन को अपने रोजमर्रा के खर्चों की पूर्ति हेतु सहायता प्राप्त हो रही है। श्री रामसुहावन को देखकर क्षेत्र के अन्य रहवासी भी दुधारू पशुपालन के प्रति जागरूक हो रहे हैं।

(सदस्य रामसुहावन पटेल)